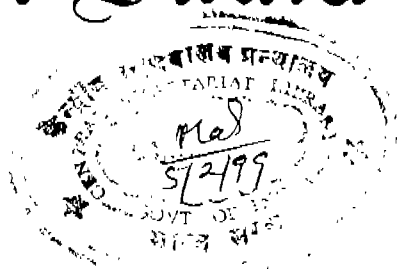


# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 158 ]  
No. 158]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 24, 1998/श्रावण 2, 1920  
NEW DELHI, FRIDAY, JULY 24, 1998/SRAVANA 2, 1920

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 24 जुलाई, 1998

अन्तिम निष्कर्ष

**विषय :—चीन जनवादी गणराज्य से मेग्निशियम के आयात से संबंधित पाटनरोधी जांच—अन्तिम निष्कर्ष ।**

सं 7/1/97/एडीडी.—वर्ष 1995 में यथा संशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और उसके सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आंकलन एवं संग्रहण और क्षति-निर्धारण) नियम, 1995 को ध्यान में रखते हुए :

क. प्रक्रिया

1. नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है :

- (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (आगे प्राधिकारी भी कहा गया है) ने दिनांक 6 फरवरी, 1998 की अधिसूचना द्वारा प्रारम्भिक निष्कर्षों को अधिसूचित किया गया था तथा हितबद्ध पार्टियों से इसके प्रकाशन की तिथि से चालीस दिनों के भीतर लिखित रूप में अपने विचार भेजने का अनुरोध किया था;
- (ii) प्राधिकारी ने ज्ञात हितबद्ध पार्टियों को प्रारम्भिक निष्कर्षों की एक प्रति भेजी थी जिनसे पत्र की तिथि से चालीस दिनों के भीतर प्रारम्भिक निष्कर्षों पर अपने विचार, यदि कोई हो, प्रस्तुत करने का अनुरोध किया था;
- (iii) प्राधिकारी ने प्रारम्भिक निष्कर्षों की एक प्रति नई दिल्ली स्थित चीन जनवादी गणराज्य के दूतावास को भी इस अनुरोध के साथ भेजी थी कि निर्यातकों और अन्य हितबद्ध पार्टियों को प्रारम्भिक निष्कर्षों पर अपने-अपने विचार भेजने का परामर्श दिया जाए;
- (iv) प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पार्टियों को 2 अप्रैल, 1998 को अपने विचार मौखिक रूप से प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया था । मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत कर रही सभी पार्टियों से मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों को लिखित में दर्ज कराने का अनुरोध किया गया था । पार्टियों से प्रतिपक्षी पार्टियों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों की प्रतियां लेने और उनका खण्डन यदि कोई हो, प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था । निम्नलिखित पार्टियां सुनवाई में उपस्थिति हुई थीं :—

\* याचिकाकर्ता, मै. सदर्न मेग्निशियम एण्ड केमिकल्स लि.;

\* इण्डस्ट्रियल मेटालिक्स (इण्डिया) प्रा.लि. ।

- (v) प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पार्टियों को विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए सभी साक्ष्यों के अगोपनीय रूपान्तरणों वाली सार्वजनिक फाइल उपलब्ध करवाई थी। उन सभी पार्टियों, जिन्होंने लिखित रूप में निरीक्षण का अनुरोध किया था, को उक्त सार्वजनिक फाइल के निरीक्षण की अनुमति दी गई थी;
- (vi) प्रारम्भिक निष्कर्षों की घोषणा से पहले हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्क जिनका अधिसूचित प्रारम्भिक निष्कर्षों में उल्लेख किया गया है; को इसमें संक्षिप्तता के कारण दोहराया नहीं गया है। परन्तु हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्क पर प्रारम्भिक निष्कर्षों/या इन निष्कर्षों में उचित ढंग से विचार किया गया है;
- (vii) उपरोक्त नियमों के नियम 16 के अनुसार, इन निष्कर्षों के लिए विचारित अनिवार्य तथ्यों/आधार को ज्ञात हितबद्ध पार्टियों के समक्ष प्रकट किया गया था और उन पर मिली टिप्पणियों पर इन निष्कर्षों में विधिवत् विचार किया गया है।

#### ख. याचिकाकर्ताओं के विचार

2. याचिकाकर्ताओं ने निम्नलिखित तर्क दिए थे :—

- \* प्राधिकारी के प्रारम्भिक निष्कर्षों को सीमा-शुल्क प्राधिकारियों द्वारा अभी तक अधिसूचित नहीं किया गया है। परिणामस्वरूप, बड़े पैमाने पर मेग्निशियम के पाटन के कारण याचिकाकर्ता की बिक्री निराशाजनक रही है। याचिकाकर्ता की बिक्री 253 मी. टन (1996-97) से घटकर 112 मी. टन (1997-98) तक हो गई है।
- \* वित्तीय वर्ष (1997-98) की अंतिम तिमाही में मेग्निशियम की औसत बिक्री कीमत 21.57 रुपये प्रति किग्रा. तक घट गई है।
- \* चालू वित्तीय वर्ष में यदि मौजूदा अनुबंध न होते तो याचिकाकर्ता की बिक्री अब भी कम रहती। वाणिज्यिक श्रेणी के मेग्निशियम की बिक्री पिछले तीन महीनों में लगभग 5 मी. टन प्रतिमाह के हिसाब से कम हुई है।

#### ग. निर्यातकों, आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार

3. विचाराधीन उत्पाद, समान वस्तु, घरेलू उद्योग, पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध पर आयातकों और निर्यातकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों पर नीचे दिये गये संगत पैराग्राफों में चर्चा की गई है। उनके द्वारा व्यक्त किए गए अन्य विचार संक्षेप में नीचे उल्लिखित हैं :—

- \* याचिकाकर्ता का उत्पादन भारत में मेग्निशियम की मांग का 30% बैठता है। यद्यपि, यह सत्य है कि याचिकाकर्ता, चीनी उत्पादकों द्वारा कम कीमत पर किए गए पाटन के कारण उत्पादन लागत भी प्राप्त नहीं कर सका तथापि यह भारत में उत्पाद की मांग आपूर्ति को पूरा करने की स्थिति में नहीं होगा। जब तक याचिकाकर्ता देश की समूची मांग को पूरा करने की अपनी क्षमता को नहीं बढ़ाता है तब तक पाटनरोधी-शुल्क से कोई समाधान नहीं निकलता है;
- \* पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने से उक्त वस्तु के अनेक उपभोक्ताओं को नजर अंदाज करते हुए भारत में मेग्निशियम के अकेले उत्पादक को लाभ पहुंचेगा;
- \* याचिकाकर्ता की गुणवत्ता तकनीकी विनिर्देशन और अन्य पहलू उपभोक्ताओं की अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं है, जिससे उन्हें आयात करने के लिए बाध्य होना पड़ता है;
- \* याचिकाकर्ता द्वारा दावा की गई 81 रुपये प्रति किग्रा. की निर्यात कीमत सही नहीं है। शुल्कों के प्रचलित स्तर पर विचार करने के बाद सही निर्यात कीमत 149 रुपये प्रति किग्रा. बैठती है;
- \* चीनी मेग्निशियम में अपेक्षाकृत अधिक अशुद्धता होती है और वह नाभिकीय अनुप्रयोगों के लिए उपयुक्त नहीं है। इन्हें कनाडा और यूरोप से आयातित किया जा रहा है;
- \* चीन जनवादी गणराज्य पर पाटनरोधी-शुल्क ई यू/यूएसए द्वारा लगाया गया था क्योंकि वहां मांग की अपेक्षा उत्पादन काफी अधिक था;
- \* चीन जनवादी गणराज्य के अतिरिक्त अन्य आपूर्तिकर्ताओं की दरें भी समान हैं;
- \* प्राधिकारी को बाल्को, नेल्को, हिंडाल्को, इंडाल, नाभिकीय ईंधन परिसर, टेल्को, आयुध एवं रक्षा फैक्ट्रियों, लघु उपवर्जन संयंत्रों के विचार जानने चाहिए थे जो संयुक्त वस्तु के उपभोक्ता हैं;
- \* प्राधिकारी ने चीनी तथा पश्चिमी वस्तु की तुलना करते समय दो भिन्न-भिन्न श्रेणियों की कीमतों की तुलना की है;
- \* जिन्दल एल्युमीनियम लि. ने लिखा कि हालांकि, वह आयातित मेग्निशियम के प्रमुख प्रयोक्ताओं में से एक है, फिर भी प्राधिकारी ने कम्पनी से आवश्यक सूचना नहीं मांगी है;
- \* चीन जनवादी गणराज्य के मेग्निशियम की उतराई कीमत (149 रुपये प्रति किग्रा.) स्वदेशी कीमत से अधिक थी। याचिकाकर्ता की बिक्री कीमत में इसकी अक्षमताओं को शामिल किया जा सकता है;
- \* अन्तर्राष्ट्रीय कीमत प्रायः समान है भले ही मूल देश कोई भी हो;

### घ. प्राधिकारी द्वारा जांच

4. याचिकाकर्ता, निर्यातकों, आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा किये गये निवेदनों की जांच की गई है, उन पर विचार किया गया है और जहां कहीं उपयुक्त समझा गया है एतद् पश्चात् कार्रवाई की गयी है। जहां तक मेमिशियम के उपभोक्ताओं से विचार आमंत्रित करने का संबंध है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच शुरूआत की अधिसूचना और निष्कर्ष भी भारत के असाधारण राजपत्र में प्रकाशित किए गए थे, जिनमें सभी हितबद्ध पार्टियों को अपनी अपनी टिप्पणियाँ देने का अनुरोध किया गया था। जांच शुरू करने के नोटिस अथवा अनन्तिम निष्कर्षों का प्रत्युत्तर देने का दायित्व हितबद्ध पार्टियों का बनता है। नियमों के अन्तर्गत प्राधिकारी संबद्ध वस्तु के ज्ञात निर्यातकों और आयातकों से आवश्यक सूचना एकत्र कर सकते हैं। प्राधिकारी ने ज्ञात निर्यातकों और आयातकों से ऐसी सूचना देने का अनुरोध किया था और उस पर सुसंगत सीमा तक भरोसा किया गया है। जहां तक जिन्दल एल्युमीनियम के निवेदन का संबंध है, उन्हें प्रकाशित किया गया है और इन निष्कर्षों में उन पर विचार किया गया है।

### ङ. विचाराधीन उत्पाद, समान वस्तुएं और घरेलू उद्योग

5. मौजूदा जांच में विचाराधीन उत्पाद मेमिशियम है। विचाराधीन उत्पाद पर कोई विवाद नहीं है और इसलिए प्राधिकारी विचाराधीन उत्पाद के संबंध में प्रारम्भिक निष्कर्षों की पुष्टि करते हैं।

### याचिकाकर्ता और घरेलू उद्योग

6. जहां तक समूचे देश की मांग को पूरा करने में याचिकाकर्ता की अपर्याप्त क्षमता का संबंध है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि ऐसा कोई कानूनी प्रावधान नहीं है जिसमें यह अपेक्षित हो कि याचिकाकर्ता (या भारतीय उद्योग) को समूचे देश की मांग को पूरा करने की स्थिति में होना चाहिए। पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य किसी विशेष देश से या स्रोत से होने वाले आयातों पर प्रतिबंध लगाना नहीं है, बल्कि पाटन का सहारा लेकर निर्यातकों द्वारा पाटन से प्राप्त किए गए अनुचित लाभों को समाप्त करना है। कानून के तहत केवल एक अपेक्षा की जाती है कि याचिकाकर्ता को याचिका दायर करने की स्थिति में होना चाहिए और घरेलू उद्योग के लिए सूचना उपलब्ध करनी चाहिए। इस मामले में दोनों ही अपेक्षाएं पूरी होती हैं।

7. जहां तक याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित मेमिशियम और संबद्ध देश से आयातित मेमिशियम के गुणवत्ता एवं तकनीकी विनिर्देशनों का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि किसी भी हितबद्ध पार्टी ने साक्ष्य सहित कोई ठोस तर्क प्रस्तुत नहीं किए हैं। प्राधिकारी के इस अनन्तिम निष्कर्ष की चीन जनवादी गणराज्य से आयातित मेमिशियम और उसके द्वारा उत्पादित मेमिशियम तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्पर्धीय थी, के बारे में किसी भी हितबद्ध पार्टी द्वारा पर्याप्त साक्ष्य के साथ कोई विवाद नहीं किया गया है।

8. यह तर्क कि याचिकाकर्ता का उत्पादन देश की मांग को पूरा करने के लिए अपर्याप्त है, वर्तमान जांच में असंगत है। याचिकाकर्ता संबद्ध वस्तु का एकमात्र उत्पादनकर्ता होने के कारण, नियमों के अर्थ के अन्तर्गत इस याचिका को दायर करने की स्थिति में है और यह घरेलू उद्योग का भाग है। पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य चीन जनवादी गणराज्य से होने वाले आयातों पर प्रतिबंध लगाना नहीं है और शुल्क लगाए जाने से भारतीय बाजार में उक्त उत्पाद की उपलब्धता पर किसी भी तरह से कोई असर नहीं पड़ेगा। उपभोक्ता अभी भी अपने द्वारा उपयुक्त पाए गए स्रोतों से अपनी मांग को पूरा करना जारी रख सकता है। याचिकाकर्ता की अपर्याप्त क्षमता उसे नियमों के अधीन उपयुक्त उपायों की मांग से वंचित नहीं कर सकती है।

9. पूर्वोक्त को देखते हुए प्राधिकारी, विचाराधीन उत्पाद, समान वस्तु और घरेलू उद्योग के संबंध में प्रारम्भिक निष्कर्षों की पुष्टि करते हैं।

### (च) पाटन

10. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि प्रारम्भिक निष्कर्षों के बाद भी चीन जनवादी गणराज्य में किसी निर्यातक या उत्पादनकर्ता से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

11. संबद्ध उत्पाद की अंतर्राष्ट्रीय कीमत या अन्य देशों से निर्यात मूल्य, चीन जनवादी गणराज्य से पाटन का निर्णय लेने में असंगत है, जो संगत कारक है वे केवल चीन जनवादी गणराज्य में सामान्य मूल्य और चीन जनवादी गणराज्य से निर्यात मूल्य हैं।

12. प्राधिकारी ने प्रारम्भिक निष्कर्षों में अन्य देशों से निर्यात मूल्य की तुलना चीन जनवादी गणराज्य से निर्यात मूल्य के साथ नहीं की है। इसलिए, इस संबंध में उठाया गया तर्क असंगत है।

13. उपर्युक्त को देखते हुए प्राधिकारी, पाटन और पाटन मार्जिन के निर्धारण के बारे में प्रारम्भिक निष्कर्षों की पुष्टि करते हैं।

### (छ) क्षति

14. प्राधिकारी ने चीन जनवादी गणराज्य से संबद्ध वस्तु के निर्यात मूल्य और उतराई मूल्य से संबंधित याचिकाकर्ता द्वारा दी गई सूचना पर भरोसा नहीं किया है। जैसाकि अनन्तिम निष्कर्षों में स्पष्ट किया गया है कि प्राधिकारी ने डी जी सी आई एंड एस द्वारा संकलित की गई सूचनाओं पर भरोसा किया है, जो भारत में मेमिशियम के वास्तविक आयातों पर आधारित होती है। इसलिए हितबद्ध पार्टियों द्वारा इस संबंध में उठाए गए तर्क गुण व गुणरहित हैं।

15. जैसे कि प्रारम्भिक निष्कर्षों में स्पष्ट किया गया है कि जांच अवधि के दौरान चीन जनवादी गणराज्य से किए गए आयातों की उतराई मूल्य याचिकाकर्ता को प्राप्त औसत मूल्य से काफी कम था। अतः हितबद्ध पार्टियों द्वारा इस संबंध में दिया गया तर्क तथ्यतः गलत है।

16. उपरोक्त और प्रारम्भिक निष्कर्षों में दिए गए व्यौरों को देखते हुए, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को हुई क्षति का विश्लेषण किया। इसके अतिरिक्त, नीचे दिए गए व्यौरों पर यह अवधारित करने के लिए विश्वास किया जा रहा है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

17. मैसर्स भारत एल्युमिनियम लि. द्वारा संबंधित वस्तु के लिए जारी की गई निविदाओं के ब्यौरों से यह प्रकट होता है कि मूल्य को देखते हुए चीनी सामग्री से याचिकाकर्ता द्वारा निम्नलिखित बिक्रियों का नुकसान हुआ था :

निविदा सं. और दिनांक	मात्रा मी. टन	याचिकाकर्ता का भाव रु. प्रति कि. ग्रा.	चीनी सामग्री के लिए भाव रु. प्रति कि. ग्रा.
केबी/एम एम/पी/7078/ओ टी-063/92—9-3-93	27	126	111
केबी/एम एम/पी/7017/ओ टी-73/92—23-3-94	150	128	108
केबी/एम एम/पी/7078/ओ टी-15/96—19-7-96	123	148	117

उपरोक्त से यह स्पष्ट होता है कि याचिकाकर्ता को चीनी सामग्री के लिए प्रस्तुत किए गए काफी कम मूल्य की वजह से महत्वपूर्ण बिक्रियों का नुकसान हुआ है।

#### ज. कारणात्मक संबंध

18. पाटन एवं क्षति के मध्य कारणात्मक संबंध से संबंधित प्रारंभिक निष्कर्षों का प्रतिरोध किसी भी पार्टी ने नहीं किया है। इसलिए, प्राधिकारी प्रारंभिक निष्कर्षों में दिए गए ब्यौरों और चीन जनवादी गणराज्य से हुए आयातों के कारण बिक्रियों के हुए नुकसान के बारे में उपर्युक्त ब्यौरों पर भरोसा करता है ताकि यह अवधारित किया जा सके कि चीन जनवादी गणराज्य से हुए पाटन आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

#### झ. अंतिम निष्कर्ष

19. उपरोक्त पर विचार करते हुए प्राधिकारी ने यह निष्कर्ष निकाला है कि :—

(क) चीन जनवादी गणराज्य के मूल के या वहां से निर्यातित मैग्निशियम का भारत में सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर निर्यात किया गया है।

(ख) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

(ग) चीन जनवादी गणराज्य के मूल के या वहां से निर्यात संबंधित वस्तु के पाटन के द्वारा घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

20. पाटनरोधी शुल्क लगाने के संबंध में प्राधिकारी प्रारंभिक निष्कर्षों की पुष्टि करते हैं और चीन जनवादी गणराज्य के मूल के या वहां से निर्यातित अध्याय 81 के अन्तर्गत आने वाले मैग्निशियम के सभी आयातों पर निश्चित पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं। यह पाटनरोधी शुल्क 157005 रुपए तथा आयातों की प्रति मी. टन पहुंच कीमत के अन्तर के बराबर होगा, जो अधिकतम 57852 रुपए होगा।

21. इस प्रयोजन के लिए आयातों की पहुंच कीमत वह शुल्क निर्धारण योग्य कीमत होगी जैसी कि सीमाशुल्क कार्यालय द्वारा सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अन्तर्गत निर्धारित की जाएगी और सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3 और 3ए को छोड़कर सभी शुल्क मूल्यांकन योग्य होंगे।

इस आदेश के विरुद्ध कोई अपील सीमाशुल्क, उत्पादन शुल्क एवं स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय न्यायाधिकरण में उक्त अधिनियम के अनुसार दायर की जा सकेगी।

रति विनय झा, निर्दिष्ट प्राधिकारी

### MINISTRY OF COMMERCE

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 24th July, 1998

#### FINAL FINDINGS

**Subject:** Anti dumping investigating concerning imports of magnesium from China PR-Final Findings

**No. 7/1/97/ADD.**—Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof:

#### A. PROCEDURE

1. The Procedure described below has been followed:

- The Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) notified preliminary findings vide notification dated the 6th Feb. 1998 and requested the interested parties to make their views known in writing within forty days from the date of its publication;

- (ii) The Authority forwarded a copy of the preliminary findings to the known interested parties who were requested to furnish their views if any on the preliminary findings within forty days of the date of the letter;
- (iii) The Authority also forwarded a copy of the preliminary findings to the embassy of the People's Republic of China (hereinafter to as China PR) in New Delhi with a request that the exporters and other interested parties may be advised to furnish their views on the preliminary findings;
- (iv) The Authority provided an opportunity to all interested parties to present their views orally on 2nd April, 1998. All parties presenting views orally were requested to file written submissions of the views expressed orally. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and offer rebuttals, if any. The following parties attended the hearing:
  - \* the petitioner, M/s. Southern Magnesium & Chemicals Ltd.
  - \* Industrial Metallics (India) Pvt. Ltd.
- (v) The Authority made available the public file to all interested parties containing non-confidential version of all evidence submitted by various interested parties. All parties who made request for inspection, in writing, were allowed to inspect the public file;
- (vi) Argument raised by the interested parties before announcing the preliminary findings, which have been brought out in the preliminary findings notified have not been repeated herein for sake of brevity. However, the arguments raised by the interested parties have been appropriately dealt in the preliminary findings and/or these findings.
- (vii) In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties and comments received on the same have also been duly considered in these findings.

#### **B. PETITIONER'S VIEWS**

2. The petitioners raised the following arguments:

- (a) The preliminary findings of the Authority have not yet being notified by the Customs Authorities. As a consequence, there is large scale dumping of magnesium resulting in distressed sales of petitioner. Sales of the petitioner reduced from 253MT (1996-97) to 112 MT (1997-98).
- (b) The average selling price of magnesium has declined by Rs. 21.57 per kg. in the last quarter of the financial year (1997-98).
- (c) In the current financial year, the sales of the petitioner would have been still lower but for the existing contracts. Sales of commercial grade magnesium have reduced in the last three months to about 5MT per month.

#### **C. VIEWS OF EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES**

3. The views expressed by the importers and the exporters on the product under consideration, like article, domestic industry, dumping, injury and causal link are discussed in the relevant paras hereinbelow. Other views expressed by them are briefly mentioned below:

- (a) The petitioner's production accounts for 30% of the demand of magnesium in India. Though it is true that the petitioner, due to dumping by Chinese producers at a lower price could not even get production costs, it will not be in a position to meet the demand of the product in India. Anti-dumping duty is not a solution unless the petitioner increases its capacity to meet the entire demand of the country;
- (b) Imposition of anti-dumping duty will benefit single producer of magnesium in India at the cost of a number of consumers of the goods;
- (c) The quality, technical specifications and other aspects of the petitioner do not conform to the requirements of the consumers, compelling them to imports;
- (d) Export price of Rs. 81 per kg. claimed by the petitioner is not correct. The correct export price, after considering prevailing level of duties comes to Rs.149 per kg;
- (e) Chinese magnesium contains more impurities and is not suitable for nuclear applications. These are being imported from Canada and Europe;

- (f) Anti-dumping duty on China PR was imposed by EU/USA because there was much higher production than demand;
- (g) The rates of other suppliers besides China PR are also similar;
- (h) The Authority should have taken views of BALCO, NALCO, HINDALCO, INDAL Nuclear Fuel Complex, TELCO, Ordnance & Defence Factorics, Small Extrusion plants, who are the consumers of the subject goods;
- (i) The Authority has compared the prices of two different grades while comparing Chinese and Western goods;
- (j) Jindal Aluminium Ltd. wrote that even though it is one of the major users of imported magnesium, the Authority has not called for necessary information from the company;
- (k) The landed price of magnesium from China PR (Rs. 149 per kg.) was higher than the indigenous price. The selling price of the petitioner may include its inefficiencies;
- (l) International price, irrespective of the country of origin, is almost the same.
- (m) In response to the disclosure statement, one of the interested party has argued that the goods being imported from China PR is of very high quality with 99.9% minimum magnesium metal, whereas the output of the petitioner is of lower quality which cannot be utilised to replace the material being imported.

#### **D. EXAMINATION BY AUTHORITY**

4. The submissions made by the petitioner, exporters, importers and other interested parties have been examined, considered and, wherever appropriate, dealt hereinafter. With regard to inviting views from the consumers of magnesium, the Authority notes that the initiation notification, as also the provisional findings, were published in the Gazette of India, Extraordinary, inviting all interested parties to offer their comments. The onus of responding to the notice of initiation or provisional findings rests with the interested parties. Under the Rules, the Authority may collect necessary information from the known exporters and importers of the subject goods. The Authority requested such information from known exporters and importers and the same have been relied upon to the extent relevant. With regard to the submissions made by Jindal Aluminium, the same have been brought out and dealt in these findings.

#### **E. PRODUCT UNDER CONSIDERATION, LIKE ARTICLES AND DOMESTIC INDUSTRY**

5. Product under consideration in the present investigations is magnesium. There is no dispute on the product under consideration and, therefore, the Authority confirms preliminary findings with regard to product under consideration.

##### **Petitioners and domestic industry:**

6. With regard to the insufficient capacity of petitioner to meet the demand of the entire country, the Authority notes that there is no legal provision requiring that the petitioner (or Indian industry) should be in a position to meet the demand of the entire country. The purpose of anti-dumping duty is not to restrict imports from a particular country or source or to benefit domestic producers but to eliminate an unfair trade practice of the exporters by resorting to dumping. The only requirement under the law is that the petitioner should satisfy the standing to file the petition and should provide information on behalf of the domestic industry. Both the requirements are met in the present case.

7. With regard to the quality and technical specifications of the magnesium produced by the petitioner and magnesium imported from the subject country, the Authority notes that none of the interested parties has brought out any argument supported by quantifiable evidence. The provisional findings of the Authority that magnesium imported from China PR and magnesium produced in India were substitutable-technically and commercially has not been disputed by any interested party with sufficient evidence.

8. The argument that production of the petitioner is insufficient to meet the demand of the country is irrelevant in the present investigations. The petitioner being the sole producer of the subject goods satisfies the standing to file the present petition and constitutes domestic industry within the meaning of the Rules. Purpose of anti-dumping duty is not to restrict imports from China PR and the imposition of the duty would in no way affect the availability of the product in the Indian market. Consumers could still continue to meet their demand from the sources found appropriate by them. Insufficient capacity of the petitioner does not preclude it from seeking suitable measures under the Rules.

9. In view of the forgoing, the Authority confirms preliminary findings with regard to the product under consideration, like article, and domestic industry

#### **F. DUMPING**

10. The Authority notes that there is no response from any exporter or producer in China PR even after the preliminary findings.

11. International price of the subject goods or the export price from other countries are irrelevant to decide dumping from China PR, the only relevant factors being normal value in China PR and export price from China PR.

12. The Authority has not compared the export price from other countries with the export price from China PR in the preliminary findings. The argument raised on this account is, therefore, irrelevant.

13. The Authority, in view of the foregoing, confirms preliminary findings with regard to determination of dumping and dumping margin.

#### **G. INJURY**

14. The Authority has not relied upon the information furnished by the petitioner with regard to the export price and landed cost of the subject goods from China PR. The Authority has relied upon the information compiled by DGCI&S, as brought out in the provisional findings, which is on the basis of the actual imports of magnesium in India. The arguments raised by the interested parties on this account are, therefore, without merit.

15. As brought out in the preliminary findings, the landed value of import from China PR during the investigation period were significantly lower than the average realisation of the petitioner. The argument of the interested parties on this account is, therefore, factually incorrect.

16. The Authority analysed injury to the domestic industry in view of the above and the details brought out in the preliminary findings. In addition, the details brought out hereinbelow are being relied upon to hold that material injury has been caused to the domestic industry.

17. Details of tenders floated by one of the consumers for the subject goods establishes that the petitioner lost sales to the Chinese material in view of the lower price offered for the Chinese goods

#### **H. CAUSAL LINK**

18. No party has controverted the preliminary findings with regard to causal link between dumping and injury. The Authority, therefore, relies upon the details brought out in the preliminary findings as also detailed mentioned hereinabove with regard to the loss of sales on account of imports from China PR to hold that material injury was caused to the domestic industry by the dumped imports from China PR.

#### **I. FINAL FINDINGS**

19. The Authority, after considering the foregoing, concludes that:

- (a) Magnesium originating in or exported from China PR has been exported to India below its normal value;
- (b) the domestic industry has suffered material injury;
- (c) the injury has been caused to the domestic industry by the dumping of the subject goods originating in or exported from China PR.

20. The Authority confirms the preliminary findings with regard to imposition of Anti-dumping duty and recommends imposition of definitive Anti-dumping Duties on all imports of magnesium falling under chapter 81 originating in or exported from the People's Republic of China. The anti-dumping duty shall be the difference between Rs. 157005 and the landed price of imports per MT, subject to a maximum of Rs. 57852.

21. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under Section 3 and 3A of the Customs Tariff Act, 1975.

22. Subject to above, the Authority confirms the preliminary findings dated 6-2-1998.

23. An appeal against this order shall lie to the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal in accordance with the Act supra.

[RATHI VIINAY JHA, Designated Authority.]

